उसे दूर करने के लिये क्या कार्यवाही की जा रही है ।

उप-प्रधान मंत्री तथा वित्त मंत्री (श्री मोरारजी देसाई) (क) और (ख). स्टेट बैंक आफ इंडिया ने, जहां संभव है वहां हिन्दी और अन्य प्रादेशिक भाषाओं के उत्तरोत्तर अधिकाधिक उपयोग के लिये कार्रवाई शुरू कर दी है ।

(ग) से (च). हिन्दी के हस्ताक्षर स्वीकार किये जाते हैं तथा अंगरेजी और हिन्दी के हस्ताक्षरों में इस प्रकार का कोई भेद-भाव नहीं किया जाता ।

दिल्ली के गांवों में परिवार नियोजन कार्यक्रम को लोकप्रिय बनाना

6214. **श्री ओम प्रकाश त्यागी :**
श्री रामस्वरूप विद्यार्थी :
श्री नारायण स्वरूप शर्मा :

क्या **स्वास्थ्य तथा परिवार नियोजन और निर्माण, आवास तथा नगरीय विकास** मंत्री 16 दिसम्बर, 1968 के अतारांकित प्रश्न संख्या 4825 के उत्तर के सम्बन्ध में यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) दिल्ली के गांवों में परिवार नियोजन को लोकप्रिय बनाने के उद्देश्य से जुलाई से दिसम्बर, 1968 तक कितनी प्रदर्शनियां, सिनेमा-प्रदर्शन तथा गोष्ठियां आयोजित की गईं; और

(ख) उपरोक्त अवधि में उन पर कितना धन खर्च किया गया ?

स्वास्थ्य तथा परिवार नियोजन और निर्माण, आवास तथा नगरीय विकास मंत्रालय में राज्य मंत्री (डा० श्रीपति चन्द्रशेखर)

(क) दिल्ली के गांवों में जुलाई से दिसम्बर, 1968 तक की अवधि में आयोजित की गई प्रदर्शनियों, सिनेमा प्रदर्शनों और गोष्ठियों की संख्या इस प्रकार है :

प्रदर्शनियां	: 25
सिनेमा प्रदर्शन	: 139
गोष्ठियां	: 3

(ख) कर्मचारियों आदि के सामान्य व्यय के अलावा इस अवधि में उन पर 4,000 रुपये की रकम खर्च की गई ।

आयकर देने वाले फिल्म अभिनेता और अभिनेत्रियां

6215. **श्री ओम प्रकाश त्यागी :**
श्री रामस्वरूप विद्यार्थी :
श्री नारायण स्वरूप शर्मा :
श्री भारत सिंह चौहान :
श्री हुकम चन्द कछवाय :

क्या **वित्त** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) देश में आयकर देने वाले फिल्म अभिनेताओं तथा अभिनेत्रियों के नाम क्या हैं;

(ख) वर्ष 1967-68 तथा 1968-69 में प्रत्येक फिल्म अभिनेता तथा अभिनेत्री की आय कितनी थी तथा उन से आय-कर की कितनी राशि वसूल की गई;

(ग) क्या यह सच है कि इनमें से अनेक फिल्म अभिनेताओं तथा अभिनेत्रियों ने आयकर का अपवंचन किया है; और

(घ) ऐसे अभिनेताओं तथा अभिनेत्रियों के नाम क्या है तथा उनसे आयकर की बकाया राशि वसूल करने के लिये क्या कार्यवाही की गई है ?

उप-प्रधान मंत्री तथा वित्त मंत्री (श्री मोरारजी देसाई) : (क) से (घ). जो फिल्म अभिनेता तथा अभिनेत्रियां आयकर देते हैं उनकी संख्या बहुत बड़ी है । मांगी गई सूचना उपलब्ध नहीं है और उसे इकट्ठा करने में पर्याप्त समय तथा श्रम लगेगा । लेकिन जिन व्यक्तियों का वित्तीय वर्ष 1968-69 में कर-निर्धारण 1 लाख रुपये से अधिक की रकम पर

किया गया था उनके सम्बन्ध में मांगी गई सूचना यथा सम्भव शीघ्र प्रस्तुत की जाएगी।

जीवन बीमा निगम के पास न मांगी गई प्रीमियम की राशि का जमा होना

6216. **श्री कंवरलाल गुप्त** : क्या **वित्त** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) जीवन बीमा निगम के पास 31 मार्च, 1968 तक ऐसी कितनी राशि जमा थी जो उन लोगों द्वारा जमा कराई गई थी जिन्होंने बाद में प्रीमियम देना बन्द कर दिया था और अपना धन वापस भी नहीं मांगा; और

(ख) ऐसे लोगों को एक औपचारिक पत्र भेजने के अतिरिक्त उनका धन वापस करने के लिये सरकार क्या विशेष कार्यवाही कर रही है ?

उप-प्रधान मंत्री तथा वित्त मंत्री (श्री मोरारजी देसाई): (क) इस सम्बन्ध में सूचना उपलब्ध नहीं है।

(ख) यदि पालिसी को प्रथम दो वर्षों के दौरान बन्द कर दिया गया हो तो पालिसी धारियों को किस्तों का समर्पण—मूल्य अथवा किस्तों की वापसी देय नहीं होगी। उन्हें निगम द्वारा निर्धारित शर्तों का पालन करके अपनी पालिसियां केवल फिर से चालू करने का अधिकार होता है। यदि दो वर्षों तक किस्तों की अदायगी करने के बाद पालिसी बन्द की जाती है तो ऐसी पालिसी घटी रकम पर चुकता पालिसी के रूप में बनी रहती है, जो पालिसी-धारी की मृत्यु पर अथवा पालिसी के परिपक्व होने पर देय होती है और पालिसीधारी को इस सम्बन्ध में अवगत करा दिया जाता है। पालिसीधारी की मृत्यु पर अथवा पालिसी के परिपक्व होने पर ऐसे दावे पर कार्यवाही अन्य दावों पर की जाने वाली कार्यवाही के समान ही की जाती है। स्थानीय शाखा कार्यालय भी पालिसीधारी से सम्पर्क स्थापित करने अथवा उसको लिखी गई चिट्ठियों का जवाब नहीं आने पर उसका सही पता मालूम करने के लिये प्रयत्न करता है। पालिसीधारियों को देय सभी रकमों की अदायगी के लिए जीवन बीमा निगम हर आवश्यक तथा सम्भव उपाय कर रहा है।

नये चिकित्सा कालेज खोलना

6217. **श्री कंवरलाल गुप्त** : क्या **स्वास्थ्य तथा परिवार नियोजन और निर्माण, आवास तथा नगरीय विकास** मन्त्री 3 मार्च 1969 के अतारांकित प्रश्न संख्या 1559 के उत्तर के सम्बन्ध में यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) अगली पंचवर्षीय योजना में केवल 10 नये चिकित्सा कालेज खोले जाने के क्या कारण हैं ?

(ख) देश की समस्त आवश्यकता को पूरा करने के लिये कितने नये चिकित्सा कालेज अपेक्षित हैं तथा इस अन्तर को किस प्रकार पूरा करने का प्रस्ताव है;

(ग) क्या दिल्ली में एक नया चिकित्सा कालेज खोलने का सरकार का विचार है; और

(घ) यदि नहीं, तो उसके क्या कारण हैं?

स्वास्थ्य तथा परिवार नियोजन और निर्माण, आवास तथा नगरीय विकास मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री ब०सू०मूर्ति): (क) साधन, जन शक्ति तथा उपकरणों की उपलब्धता को दृष्टि में रखते हुए चौथी पंच वर्षीय योजना में केवल दस नये चिकित्सा कालेज खोलने का प्रस्ताव है। यह सोचा जा रहा है कि चिकित्सा कालेजों के विस्तार की अपेक्षा वर्तमान चिकित्सा कालेजों को अपेक्षित स्तर पर लाने पर बल दिया जाये।

(ख) स्वास्थ्य सर्वेक्षण तथा योजना समिति द्वारा सुझाये गये मानदण्ड के अनुसार चौथी पंचवर्षीय योजना के अन्त तक देश में 120 चिकित्सा कालेजों की आवश्यकता पड़ेगी। इस समय 93 चिकित्सा कालेज हैं जिनकी वार्षिक प्रवेश क्षमता 11500 से अधिक है। चौथी